असम निष्कासन अभियान: एक डर जिसने मुद्रा प्राप्त की

भारत की स्वतंत्रता के बाद, असम ने लगातार धार्मिक, भाषाई, जातीय और उप-क्षेत्रीय अंतरों का अनुभव किया है। सबसे ध्रुवीकरण वाली बहस स्वदेशी और मिया के बीच रही है, जो बांग्लादेश में जड़ों वाले मुसलमानों के लिए एक अपमानजनक शब्द है।

विभाजन की ऐतिहासिक जड़ें

यह विभाजन इस डर से उपजा है कि बांग्लादेशी नागरिक असम पर कब्जा कर लेंगे। यह डर असम आंदोलन (1979-85) के दौरान बढ़ा, जिसके कारण 1985 के असम समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।

समझौते में 25 मार्च, 1971 को या उसके बाद असम में प्रवेश करने वाले विदेशियों का पता लगाने, मतदाता सूची से हटाने और निर्वासन का प्रावधान था। इसमें असमिया लोगों के लिए संवैधानिक सुरक्षा उपाय और विदेशियों द्वारा संपत्ति अधिग्रहण पर प्रतिबंध भी शामिल थे।

चुनावी राजनीति और बांग्लादेशी मुद्दा

1983 का चुनाव

बंगाली भाषी मुसलमानों ने आंदोलन समर्थक समूहों द्वारा बहिष्कार के आह्वान के बावजूद भाग लिया। वे असम की 126 विधानसभा सीटों में से कम से कम 35 में प्रमुख मतदाता हैं।

1985 का चुनाव

आंदोलन के नेताओं से मिलकर बने असम गण परिषद (एजीपी) ने जीता। इससे यूनाइटेड माइनॉरिटीज फ्रंट का जन्म हुआ, जिससे कथित जनसांख्यिकीय खतरे बढ़ गए।

यह मुद्दा एक चुनावी मुद्दा बन गया, जिसके बाद ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट ने अल्पसंख्यकों की जगह ले ली।

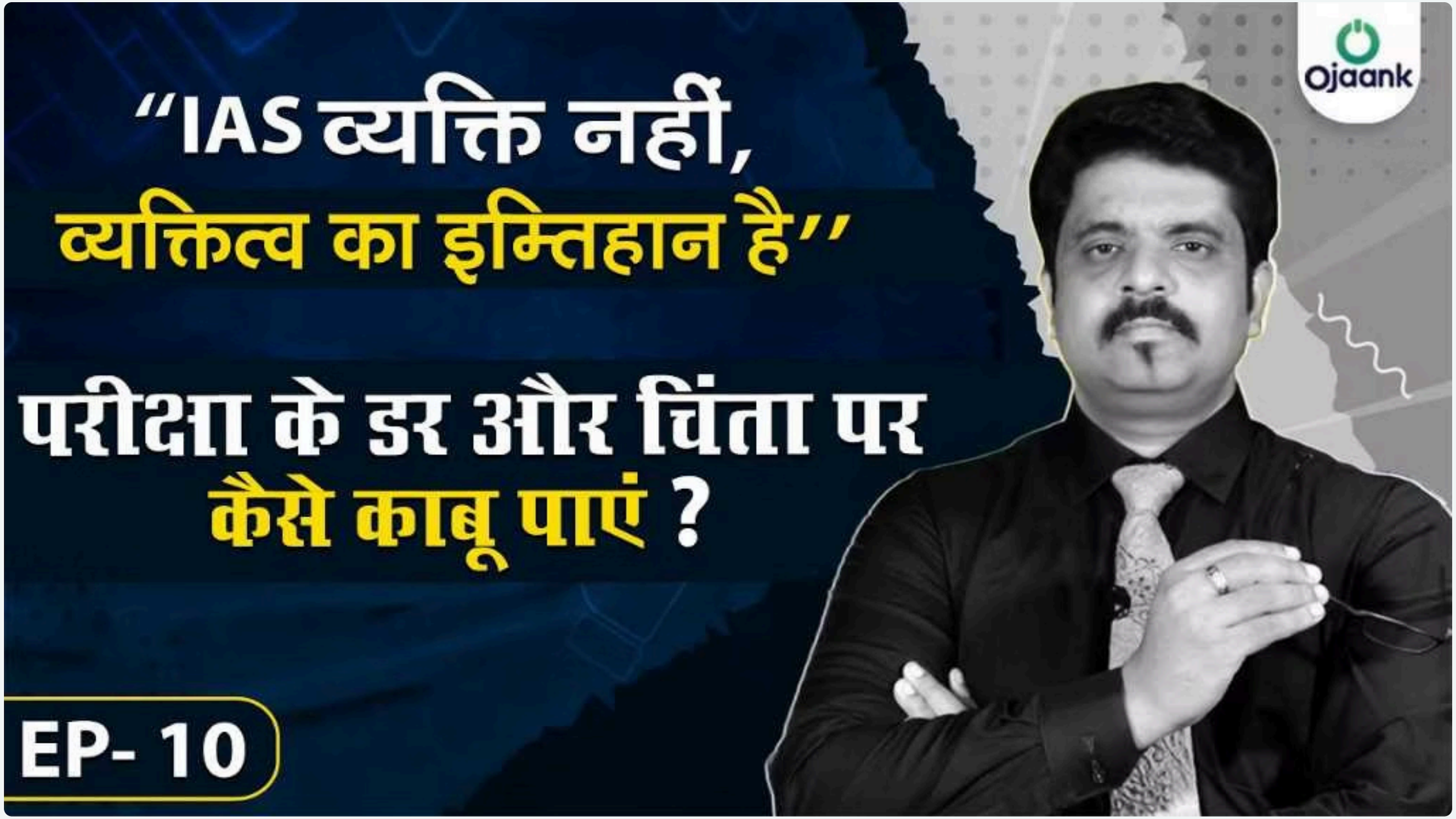

परीक्षा के डर से कैसे छुटकारा पाएँ? परीक्षा तनाव, घबराहट और चिंता से कैसे निपटें | प्रेरणा आईएएस 📚

शामिल होने के लिए क्लिक करें👇🏻👇🏻👇🏻 https://www.youtube.com/live/tq-tQC0K3bs https://www.youtube.com/live/tq-tQC0K3bs

भाजपा का उदय और 'जाति, माटी, भेटी' वादा

बांग्लादेशी या 'अवैध आप्रवासियों' का मुद्दा 'जाति' (नस्ल), 'माटी' (भूमि), 'भेटी' (चूल्हा) की रक्षा करने के वादे के उप-पाठ में था, जिसने 2016 में असम में भाजपा को अपनी पहली सरकार बनाने में मदद की।

पार्टी के सहयोगी एजीपी और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट थे। भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ने सितंबर 2016 में काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान के तीन सीमांत गांवों में पहला बेदखली अभियान चलाकर दिखाया कि उसका मतलब कारोबार है, जिसमें ज्यादातर प्रवासी मुसलमानों के बेदखली के दौरान दो लोग मारे गए।

हिमंत बिस्वा सरमा का आक्रामक दृष्टिकोण

1

2021: गोरुखुटी बेदखली

दर्रांग जिले में बेदखली अभियान में दो लोगों की जान चली गई। कुछ और अभियानों के बाद ड्राइव रोक दी गई।

2

जून 2024: नवीनीकृत ड्राइव

मुख्यमंत्री सरमा के तहत पश्चिमी और उत्तर-पूर्वी असम के कई जिलों में ड्राइव फिर से शुरू हुई।

पूर्व कांग्रेस नेता का कहना है कि भाजपा को चुनाव जीतने के लिए मुस्लिम वोटों की जरूरत नहीं है, जबकि बंगाली मुसलमानों को खिलोनजिया असमिया मुसलमानों से अलग किया गया है।

बेदखली का पैमाना

1.29L

साफ़ किए गए बीघा

सरकारी दस्तावेजों के अनुसार अब तक स्क्वैटर्स से साफ़ की गई भूमि

29L

अभी भी अतिक्रमण किया हुआ है

राज्य में अभी भी अतिक्रमण के तहत भूमि के बीघा

2041

जनसांख्यिकीय बदलाव

शर्मा के अनुसार, वह वर्ष जब तक असमिया लोग अल्पसंख्यक बन जाएंगे

शर्मा ने भूमि के अतिक्रमण को "राज्य को खत्म करने के लिए जिहाद" कहा, इसे आसन्न जनसांख्यिकीय बदलाव से जोड़ा।

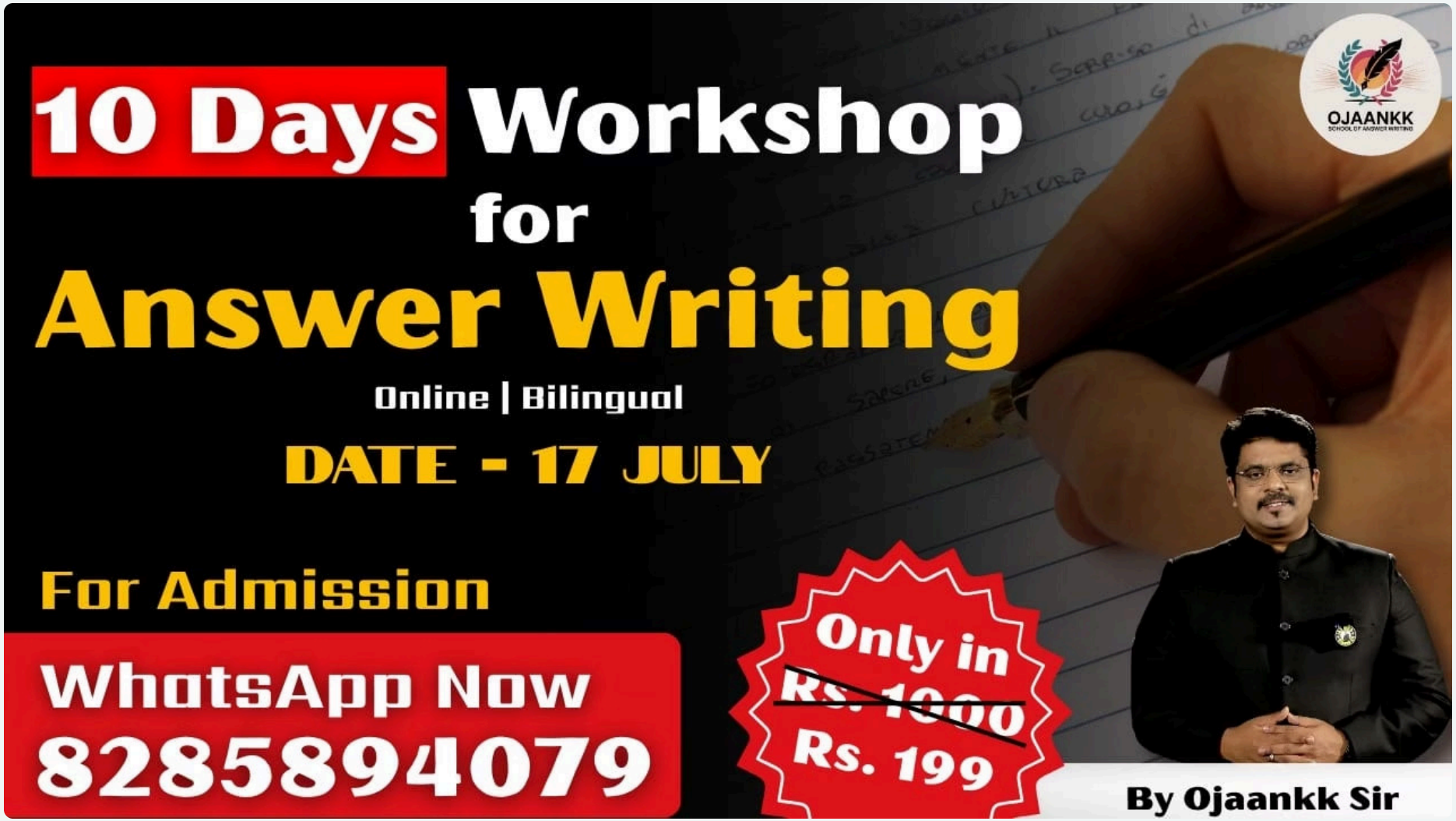
10 Days Workshop
for
Answer Writing
Online | Bilingual
DATE - 17 JULY
For Admission
WhatsApp Now
8285894079
Only in
Rs. 1000
Rs. 199
By Ojaankk Sir
OJAANKK

कॉर्पोरेट हित और राजनीतिक रणनीति

कॉर्पोरेट दृष्टिकोण

आलोचकों का कहना है कि बेदखली कॉर्पोरेट घरानों, जिनमें अडानी समूह भी शामिल है, के लिए भूमि खाली करने के लिए की जा रही है, जो पश्चिमी असम में एक थर्मल पावर परियोजना पर नजर गड़ाए हुए है। कम से कम 49,000 बीघा जमीन से लोगों को निकाला गया है जहां स्वदेशी समुदाय रहते थे।

राजनीतिक ध्रुवीकरण

विधायक अखिल गोगोई ने कहा कि अल्पसंख्यकों को बेदखल करने से ध्रुवीकरण की राजनीति का मार्ग प्रशस्त होता है ताकि हिंदू मतदाता भाजपा का समर्थन करें, खासकर ऊपरी असम में जहां पार्टी को चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है।

आगे की ओर देखना: चुनाव और निहितार्थ

जबकि अन्य समुदायों का निष्कासन कम महत्वपूर्ण रहा है, मुसलमानों के खिलाफ लोगों को अधिक समर्थन मिला है। लक्षित करना रणनीतिक प्रतीत होता है, क्योंकि राज्य चुनाव एक वर्ष से भी कम समय दूर हैं।

बेदखली अभियान उन आशंकाओं की निरंतरता का प्रतिनिधित्व करता है जो असम आंदोलन के दौरान मुद्रा प्राप्त कर चुके हैं, अब चुनावी लाभ के लिए लाभ उठाया जा रहा है, जबकि संभावित रूप से भूमि अधिग्रहण में कॉर्पोरेट हितों की सेवा कर रहा है।

⚠ पैटर्न से पता चलता है कि जनसांख्यिकीय परिवर्तन के बारे में ऐतिहासिक चिंताएं असम में समकालीन राजनीति को आकार देना जारी रखती हैं, जिसका अल्पसंख्यक समुदायों के लिए महत्वपूर्ण निहितार्थ है।

Ojaank

Free PDF Content

पाने के लिए अभी JOIN करें

IAS with Ojaankk Sir

Ojaankk_Sir

IAS with Ojaankk Sir

8285894079

8285894079

www.ojaank.com/